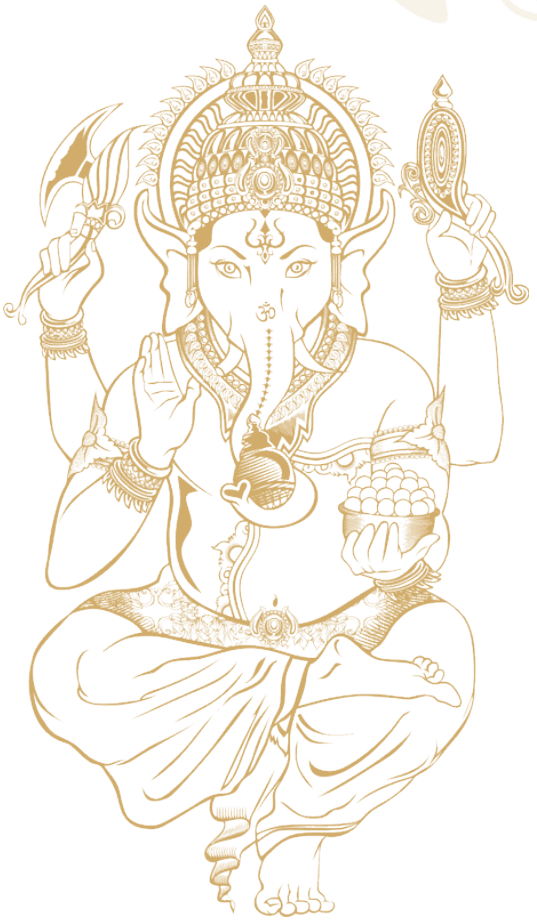

Anmol Saloni

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121473101

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121473101 Date: 03/03/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
23/09/2003	जन्म तिथि	19/05/2004
मंगलवार	दिन	बुधवार
घंटे 20:10:00	जन्म समय	08:33:00 घंटे
घटी 35:09:35	जन्म समय(घटी)	07:39:21 घटी
India	देश	India
Gwalior	स्थान	Narsinghgarh
26:12:00 उत्तर	अक्षांश	23:42:00 उत्तर
78:09:00 पूर्व	रेखांश	77:08:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:24	स्थानिक संस्कार	-00:21:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:06:10	सूर्योदय	05:37:52
18:13:20	सूर्यास्त	18:58:20
23:54:19	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:53

मेष	लग्न	मिथुन
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	बुध
सिंह	राशि	वृष
सूर्य	राशि-स्वामी	शुक्र
मघा	नक्षत्र	कृतिका
केतु	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
1	चरण	3
सिद्ध	योग	अतिगण्ड
गर	करण	नाग
मा-माणिक	जन्म नामाक्षर	उ-उपासना
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष
क्षत्रिय	वर्ण	वैश्य
वनचर	वश्य	चतुष्पाद
मूषक	योनि	मेष
राक्षस	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
मूषक	वर्ग	गरूड़

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 5वर्ष 5मा 4दि		16:10:49	मेष	लग्न	मिथु	15:59:54	सूर्य 2वर्ष 9मा 25दि	
शुक्र		06:15:11	कन्या	सूर्य	वृष	04:33:48	राहु	
26/02/2009		02:59:42	सिंह	चंद्र	वृष	03:44:05	14/03/2024	
26/02/2029		06:18:23	कुंभ व	मंगल	मिथु	13:32:05	14/03/2042	
शुक्र	27/06/2012	19:08:52	सिंह	बुध	मेष	09:13:53	राहु	25/11/2026
सूर्य	28/06/2013	11:55:15	सिंह	गुरु	सिंह	15:17:41	गुरु	20/04/2029
चन्द्र	26/02/2015	15:58:17	कन्या	शुक्र व	मिथु	02:11:44	शनि	25/02/2032
मंगल	27/04/2016	18:22:51	मिथु	शनि	मिथु	16:43:29	बुध	13/09/2034
राहु	28/04/2019	27:52:29	मेष व	राहु व	मेष	17:21:21	केतु	02/10/2035
गुरु	27/12/2021	27:52:29	तुला व	केतु व	तुला	17:21:21	शुक्र	01/10/2038
शनि	26/02/2025	05:48:14	कुंभ व	हर्ष	कुंभ	12:40:31	सूर्य	26/08/2039
बुध	28/12/2027	16:43:33	मक व	नेप व	मक	21:28:41	चन्द्र	24/02/2041
केतु	26/02/2029	23:30:23	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	27:35:19	मंगल	14/03/2042

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:54:19 चित्रपक्षीय अयनांश **23:54:53**

लग्न-चलित

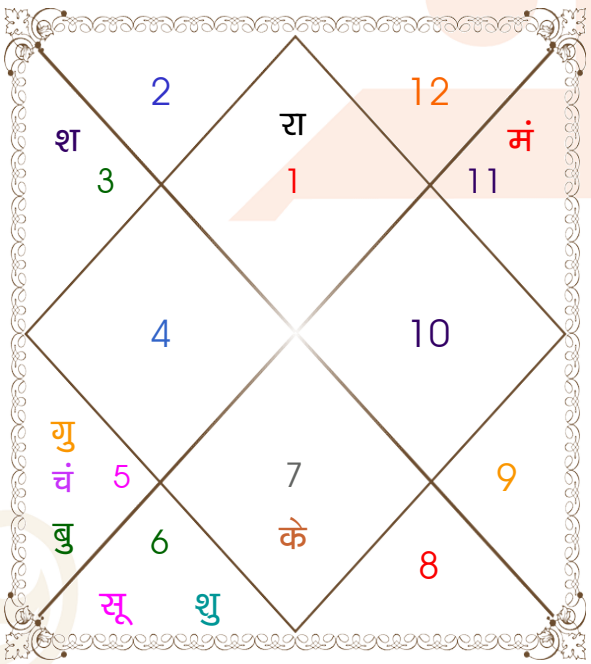

लग्न-चलित

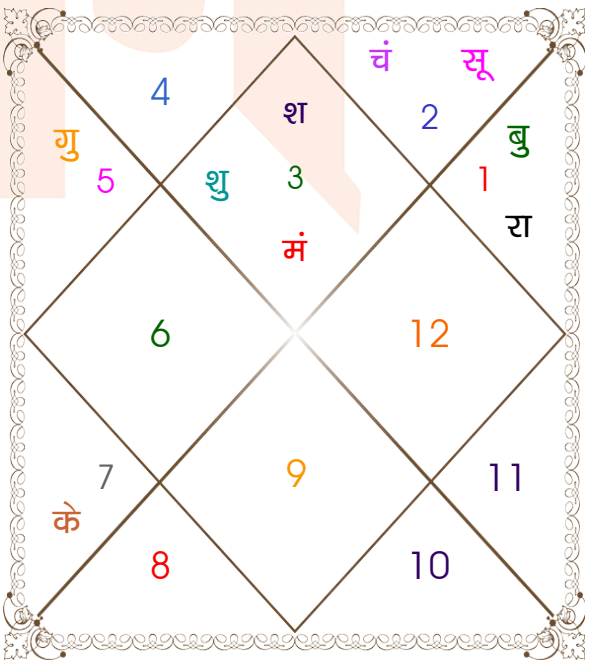

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	चतुष्पाद	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	मेष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शुक्र	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.50		

कुल : **17.5 / 36**

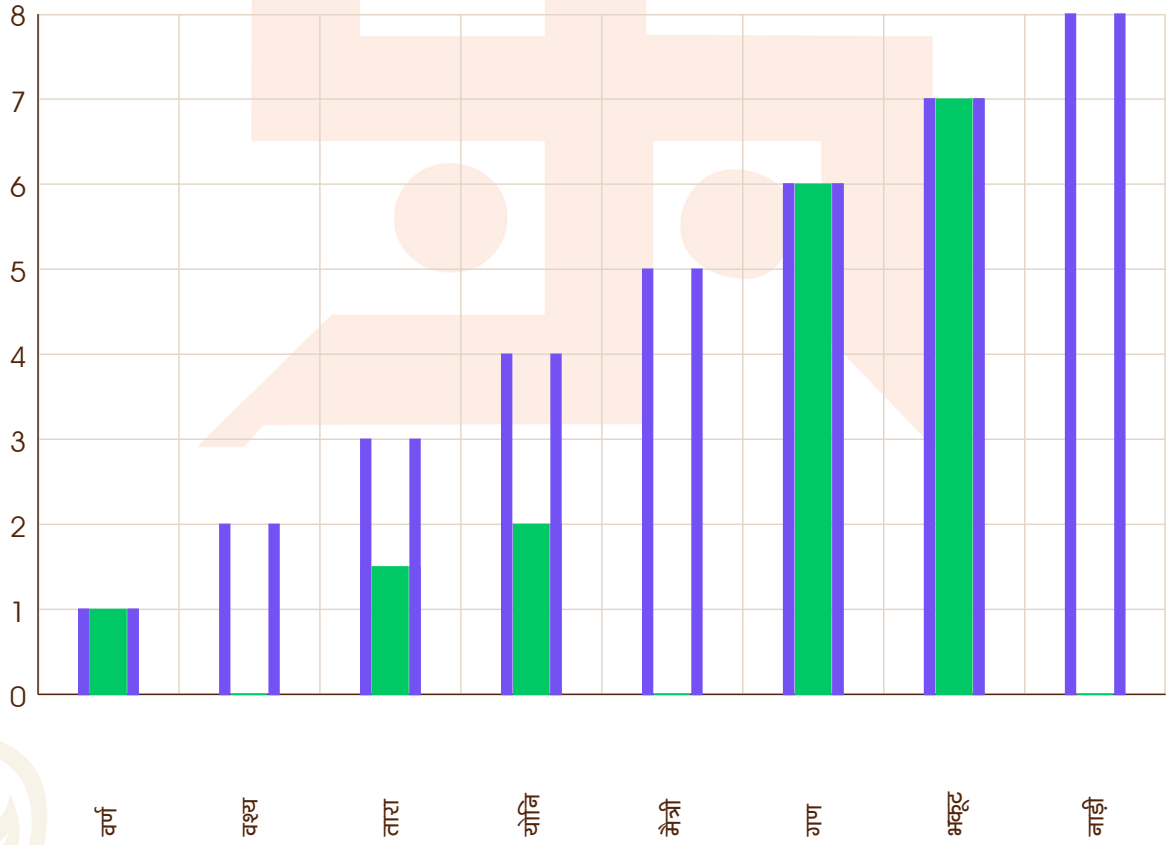

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

Anmol का वर्ग मूषक है तथा Saloni का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Anmol और Saloni का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Anmol मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Saloni मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Anmol कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Anmol कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Anmol तथा Saloni में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Anmol का वर्ण क्षत्रिय तथा Saloni का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश Saloni आज्ञाकारी, सेवा करने वाली तथा विश्वासपात्र होगी। साथ ही Saloni की हमेशा कम खर्च करके परिवार के लिए पैसे बचाने की आदत रहेगी ताकि जिससे ये पैसे भविष्य में काम आ सकें।

वश्य

Anmol का वश्य वनचर है एवं Saloni का वश्य चतुष्पद है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। वनचर हमेशा चतुष्पद के लिए खतरा होता है। जब भी वनचर को मौका मिलता है वह चतुष्पद को अपना शिकार बना लेता है। वनचर Anmol एवं चतुष्पद Saloni का विवाह अच्छा साबित होने में संदेह है। Anmol निर्दयी, क्रूर, वर्चस्वशाली एवं चतुर होगा तथा अपनी पत्नी को नौकरानी की भांति समझेगा। वह Saloni को नीचा दिखाने का कोई अवसर नहीं चूकेगा। अक्सर वह अपनी पत्नी के साथ क्रूर व्यवहार कर सकता है तथा संभव है Saloni को अक्सर उसका दुर्व्यवहार सहना पड़े।

तारा

Anmol की तारा मित्र तथा Saloni की तारा विपत है। Saloni की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान Anmol एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि Saloni का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

Anmol की योनि मूषक है तथा Saloni की योनि मेष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से

कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Anmol एवं Saloni दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अत्यधिक बुरा मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि में यदि दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हों तो इसे अत्यधिक बुरा मिलान माना जाता है। जिसके कारण Anmol एवं Saloni के बीच किसी प्रकार का प्रेम नहीं रहेगा तथा दोनों में काफी वैचारिक भिन्नता, तनाव, झगड़ा, मुकदमेबाजी यहां तक कि तलाक आदि की स्थिति भी बन सकती है। परिवार में शांति एवं सौहार्दता के अनुपस्थित रहने के कारण घर में हमेशा पैसे का अभाव बना रह सकता है तथा अपनी न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भी Anmol दवं Saloni को काफी संघर्ष करना पड़ सकता है। इनके बच्चे अयोग्य, बात नहीं सुनने वाले तथा जीवन में काफी हद तक असफल होते हैं।

गण

Anmol का गण राक्षस है तथा Saloni का गण भी राक्षस है। अर्थात Saloni का गण Anmol के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण Anmol एवं Saloni दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

Anmol से Saloni की राशि दशम भाव में स्थित है तथा Saloni से Anmol की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Anmol एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्त्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। Saloni को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। Saloni हमेशा अपने पति की परछाईं बनकर सदैव उनकी

सहायता करती रहेंगी।

नाड़ी

Anmol की नाड़ी अन्त्य है तथा Saloni की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Anmol एवं Saloni की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

Anmol की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त सिंह राशि है तथा Saloni की पृथ्वी तत्व युक्त वृष राशि है। नैसर्गिक रूप से अग्नि एवं पृथ्वी तत्व के मध्य विषमता का भाव रहता है। अतः Anmol और Saloni के मध्य स्वभावगत असमानताओं के कारण मिलान विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर उनके परस्पर विवाद तथा मतभेद उत्पन्न होते रहेंगे।

Anmol की जन्म राशि का स्वामी सूर्य तथा Saloni की जन्म राशि का स्वामी शुक्र परस्पर शत्रु है। अतः इसके प्रभाव से Anmol और Saloni का दाम्पत्य संबध अच्छा नहीं रहेगा। इनकी प्रवृति परस्पर विवाद एवं वैमनस्य के भाव से युक्त होगी तथा एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करेंगे तथा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे। फलतः संबधों में तनाव उत्पन्न होगा तथा एक दूसरे के प्रति आकर्षण समर्पण एवं सहयोग की भावना में न्यूनता रहेगी फलतः दाम्पत्य जीवन सुखमय नहीं रहेगा।

Anmol और Saloni की राशियां परस्पर दशम एवं चतुर्थ भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट है अतः इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता आ सकती है तथा परस्पर सामंजस्य स्थापित करके आनंद के कुछ क्षणों की अनुभूति करने में समर्थ हो सकते हैं। साथ ही जीवन में सुख संसाधनों की प्राप्ति करके उनके उपभोग करने में भी Anmol और Saloni को सफलता प्राप्त होगी।

Anmol का वश्य वनचर तथा Saloni का वश्य चतुष्पद है नैसर्गिक रूप से वनचर एवं चतुष्पद में असमानता का भाव होता है अतः Anmol और Saloni की अभिरूचियां अलग अलग होंगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विषमता का भाव रहेगा तथा एक दूसरे को काम चेष्टाओं में भी प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

Anmol का वर्ण क्षत्रिय तथा Saloni का वर्ण वैश्य है। Anmol की प्रवृति साहसी एवं पराक्रमी कार्यो को करने की रहेगी तथा Saloni व्यापारिक बुद्धि से अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगी। साथ ही धनार्जन के प्रति हमेशा प्रवृत रहेंगी।

धन

Anmol और Saloni दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा

आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Anmol और Saloni दोनों एक ही नाड़ी अन्त्य में उत्पन्न हुए हैं। अतः इनके ऊपर नाड़ी दोष का प्रभाव रहेगा। इससे इन दोनों का शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक दुर्बलता की अनुभूति होगी। साथ ही Anmol के स्वास्थ्य पर मंगल का भी समय समय पर दुष्प्रभाव होता रहेगा इससे वे रक्त या पित संबंधी परेशानियां प्राप्त करेंगे। वे हृदय संबंधी कष्ट भी प्राप्त करेंगे एवं काम शक्ति में भी न्यूनता आएगी जिससे परस्पर तनाव पूर्ण संबंध रहेंगे। अतः ऐसे मिलान की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए तथापि मंगल के शुभ प्रभावों को प्राप्त करने के लिए Anmol को चाहिए कि नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करें तथा मंगलवार के उपवास रखें।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से Anmol और Saloni का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Saloni के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Saloni को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

Anmol और Saloni बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः Anmol और Saloni का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Saloni के अपनी सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे परन्तु यदा कदा उनके मध्य अनावश्यक मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होंगे परन्तु परस्पर सामंजस्य के द्वारा उनका समाधान हो जाएगा तथा इससे विशेष कठिनाई नहीं होगी। साथ ही Saloni सास से अपनी माता के समान व्यवहार करेंगी तथा इसी प्रकार उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का ध्यान रखेंगी।

लेकिन ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में Saloni को काफी परेशानी तथा

असुविधा का सामना करना पड़ेगा। यदि Saloni धैर्य, गंभीरता तथा सामंजस्य का उनके प्रति प्रदर्शन करेंगी तो उनसे किंचित मात्रा में सहानुभूति प्राप्त हो सकती है। देवर एवं ननदों से Saloni के संबधों में मधुरता का अभाव रहेगा तथा परस्पर ईर्ष्या तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा। इस प्रकार सामंजस्य एवं बुद्धिमता से ही Saloni ससुराल में अनुकूल वातावरण प्राप्त कर सकती है।

ससुराल-श्री

Anmol के अपने सास ससुर से संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव तथा मतभेद बने रहेंगे जिसका मुख्य कारण इन के मध्य आयु का अधिक अंतर रहेगा। इससे इनके मध्य सैद्धांतिक तथा वैचारिक मतभेद सामान्य रूप से विद्यमान रहेंगे। लेकिन यदि Anmol तथा उनके सास ससुर परस्पर सामंजस्य को स्थापित करके व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों तथा समस्याओं में काफी न्यूनता हो सकती है।

साथ ही साले एवं सालियों से भी कई क्षेत्रों में असहमति रहेगी तथा संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे फलतः आपस में स्नेह सहयोग एवं सहानुभूति के भाव की न्यूनता रहेगी। अतः इन्हें चाहिए कि बुद्धिमता एवं सामंजस्य युक्त प्रवृति से मतभेदों तथा समस्याओं का समाधान करें तथा मित्रता का भाव भी रखें। इससे उपरोक्त मतभेदों में अल्पता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि भी होगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से Anmol के ससुराल वालों का दृष्टिकोण उनके प्रति अपेक्षित नहीं रहेगा। अतः उन्हें चाहिए कि दामाद के प्रति अपने दृष्टिकोण को विनम्र तथा सहयोग के भाव से युक्त बनाएं।